Notes Date . .

व्यक्तित्व (Personality)

व्यक्तित्व का अंग्रेजी अनुवाद 'Personality' है जो लैटिन शब्द 'Persona' से बना है। परसोना शब्द का अर्थ नकाब या मुखौटा से होता है जिसे नायक या नायिका नाटक करते समय अपने चेहरे पर लगाते हैं। इस शाब्दिक अर्थ को ध्यान मे रखते हुए तब व्यक्तित्व को बाहरी वेश-भूषा तथा दिखावे के आधार पर परिभाषित किया गया। दूसरे शब्दो में व्यक्तित्व से तात्पर्य वह जो दूसरो को दिखाई देता है, से है। जिस व्यक्ति का बाहरी दिखावा भड़कीला एवं आकर्षक होता था उसे अच्छे व्यक्तित्व का तथा जिसका बाहरी दिखावा साधारण एवं आकर्षक होता था उसे कम अच्छा व्यक्तित्व का समझा जाता था, लेकिन इस शाब्दिक अर्थ की लोकप्रियता तुरन्त समाप्त हो गयी और बाद मे व्यक्तित्व को विभिन्न सैद्धान्तिक दृष्टिकोणों से मनोवैज्ञानिकों द्वारा परिभाषित की गयी। यदि हम उन परिभाषाओं पर ध्यान दे, तो उन्हे मोटे तौर पर निम्नांकित दो भागों मे बाटा जा सकता है—

1 - लोकप्रिय परिभाषा या जैव सामाजिक परिभाषा (Popular definitions or biosocial definitions)

Notes

Date

2 - राजनैतिक परिभाषा (Political definitions)
3 - जैव दैहिक परिभाषा (Biophysical definitions)
4 - सर्वग्राही परिभाषा (Omnibus definitions)
5 - समाकलन परिभाषा (Intergrative definitions)
6 - मनोवैज्ञानिक परिभाषा Psychological definitions

1 - लोकप्रिय परिभाषा या जैव सामाजिक परिभाषा (Popular or Biosocial Definitions)

⇒ इस श्रेणी की परिभाषाओ में व्यक्तित्व को व्यक्ति के सामाजिक मूल्यो (social values) के रूप मे परिभाषित किया गया है। जब कोई व्यक्ति पसंदीदा ढंग से व्यवहार करता है, आकर्षक दिखता है, उदार व्यवहार करता है, अन्य लोगो के साथ आसानी से घुल-मिलकर अपनी भावो की अभिव्यक्ति करता है, तथा सामाजिक रूप से वांछनीय गुणों को अभिव्यक्ति करता है, तो उसे एक व्यक्तित्व वाला व्यक्ति समझा जाता है। अतः इस परिभाषा के अनुसार व्यक्तित्व का अर्थ होता है कि व्यक्ति एक उत्तम ढंग से बातचीत करने वाला है, सामाजिक रूप से बहिर्मुखी है, हाजिर जवाब (witty) है, सच्चा एवं निष्कपट है, तथा दूसरो के साथ सद्भाव दिखाने वाला है। इस लोकप्रिय परिभाषा को आलपोर्ट ने जैव-सामाजिक परिभाषा की संज्ञा दिया है, क्योंकि इसमे व्यक्ति के सामाजिक मूल्यो के रूप मे ही व्यक्तित्व को परिभाषित किया गया है।

Scanned with CamScanner

2- राजनैतिक परिभाषा (Political Definitions)

— राजनैतिक परिभाषा के अनुसार कोई व्यक्ति में व्यक्तित्व तब होता है जब वह करिश्माई एवं आकर्षक होता है, वह जनसाधारण को प्रतिविम्बित कर सके; दूरदर्शिता पर शांत एवं आकर्षक भाव-भंगिमा दिखाते हुए बातचीत कर सके तथा जिसका निजी जिन्दगी उत्तेजनापूर्ण एवं अपकीर्तिकर (Scandalous) हो।

3- जैव दैहिक परिभाषा Boiophysical Definitions)

— इन परिभाषाओं में व्यक्तित्व को एक अंगिक (Organic) या आंतरिक तत्व मानकर उसे परिभाषित किया गया है। इस श्रेणी की परिभाषा में व्यक्ति के विशिष्ट गुणों जिसका वस्तुनिष्ठ रूप से वर्णन किया जा सकता है या मापा जा सकता है, के रूप में व्यक्तित्व को परिभाषित किया जाता है। जैसे शारीरिक संरचना के रूप में शेलडन द्वारा व्यक्तित्व की दी गयी परिभाषा को इस श्रेणी में रखा जाता है।

4- सर्वग्राही परिभाषा Omnibus Definitions)

— इस श्रेणी की

परिभाषा में व्यक्तित्व को परिभाषित करने के लिए उन सभी संप्रत्ययों को शामिल किया जाता है जिसे व्यक्ति के वर्णन में महत्वपूर्ण समझा जाता है। इसमें व्यक्ति में निहित जैविक गुणों, मनोवैज्ञानिक गुणों एवं उनकी प्रमुख अनुक्रियाओं को सम्मिलित किया जाता है। प्रिंस तथा केम्फ द्वारा व्यक्तित्व की दी गयी परिभाषाओं को इस श्रेणी में सम्मिलित किया जाता है।

5 - <u>समाकलन परिभाषा</u> (Intergrative Definitions) :— इस श्रेणी की परिभाषाओं का सारतत्व यह है कि व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले विभिन्न व्यवहारों में क्रम (order) तथा संगति (congruence) देने वाला पहलू को ही व्यक्तित्व कहा जाता है। इस तरह से इस दृष्टिकोण से व्यक्तित्व एक पैटर्न या संगठन होता है। इस श्रेणी में वुडवर्थ, मन्न, वागन एवं हेवमान द्वारा दी गयी परिभाषाओं को रखा गया है।

6 - <u>मनोवैज्ञानिक परिभाषा</u> Psychological Definitions) — इस व्यापक श्रेणी में व्यक्तित्व के उन सभी परिभाषाओं

को रखा गया है जिसमें व्यक्तित्व को विभिन्न मनोवैज्ञानिक चरों जैसे समायोजन, चित्तप्रकृति (Temperament), अद्वितीयता (Uniqueness) तथा गत्यात्मक संगठन (Dynamic Organisation) के आधार पर परिभाषित किया गया है।

अतः सभी प्रकार की परिभाषाओं में कुछ न कुछ कमियां थी। आलपोर्ट ने इन परिभाषाओं का विश्लेषण किया और एक व्यक्तित्व की एक व्यापक परिभाषा दिया जो अनेकों मनोवैज्ञानिकों को मान्य है।

<u>आलपोर्ट (Allport, 1937)</u> के अनुसार, "व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोशारीरिक तंत्रों का गतिशील या गत्यात्मक संगठन है जो वातावरण में उसके अपूर्व समायोजन को निर्धारित करते हैं।"

<u>आइजेन्क (Eysenck 1952)</u> के अनुसार "व्यक्तित्व व्यक्ति के चरित्र, चित्तप्रकृति, बुद्धिशक्ति तथा शरीरगठन का करीब करीब एक स्थायी एवं टिकाऊ संगठन है जो वातावरण में उसके अपूर्व समायोजन का निर्धारण करता है।"

Scanned with CamScanner

चाइल्ड (Child. 1968) के अनुसार — "व्यक्तित्व से तात्पर्य कमोबेश उन स्थायी, आन्तरिक कारकों से होता है जो व्यक्ति के व्यवहार को एक समय से दूसरे समय तक संगत बनाता है तथा उन व्यवहारों से भिन्न करता है जिसे तुलय परिस्थितियों में व्यक्ति करता है।"

इन परिभाषाओं का एक संयुक्त विश्लेषण करने पर व्यक्तित्व का अर्थ अधिक स्पष्ट हो जाएगा। इस एक संयुक्त विश्लेषण इस प्रकार है —

1) मनोशारीरिक तंत्र (Psychophysical System) — व्यक्तित्व एक ऐसा तंत्र है जिसके मानसिक तथा शारीरिक दोनों ही पक्ष होते हैं। यह तंत्र ऐसे तत्वों का एक गठन होता है जो आपस मे अन्त:क्रिया करते हैं। इस तंत्र के मुख्य तत्व शीलगुण, संवेग, आदत, ज्ञानशक्ति, चित्तप्रकृति, चरित्र, अभिप्रेरक आदि जो सभी मानसिक गुण हैं परन्तु इन सब का आधार शारीरिक अर्थात व्यक्ति के ग्रन्थीय प्रक्रियाएं एवं तंत्रिकीय प्रक्रियाए है। इसका स्पष्ट मतलब यह हुआ कि व्यक्तित्व न तो पूर्णत मानसिक है और न पूर्णत: शारीरिक ही। व्यक्तित्व इन दोनो तरह के पक्षो का

Scanned with CamScanner

मिश्रण है।

2- गत्यात्मक संगठन (Dynamic Organisation) :— गत्यात्मक संगठन से तात्पर्य यह होता है कि मनोशारीरिक तंत्र के भिन्न भिन्न तत्व, जैसे शीलगुण आदत आदि एक दूसरे से इस तरह सूत्रबद्ध होकर संगठित है कि उन्हें एक दूसरे से पूर्णतः अलग नहीं किया जा सकता है। इस संगठन मे परिवर्तन संभव है। यही कारण है कि इसे एक गत्यात्मक संगठन कहा गया है।

3- संगतता (Consistency) — चूँकि व्यक्तित्व में कमोवेश स्थायित्व का गुण होता है, अतः इसमे संगतता का भी समावेश होता है। व्यक्ति का व्यवहार विभिन्न परिस्थितियो मे लगभग एक समान होता है। इतना ही नहीं, एक ही परिस्थिति मे एक समय से दूसरे समय मे भी एक व्यक्ति के व्यवहार में संगतता पायी जाती है।

Scanned with CamScanner

Notes Date

5- वातावरण में अपूर्व समायोजन का निर्धारण (Determination of Unique Adjustment to Environment) :- प्रत्येक व्यक्ति मे मनोशारीरिक गुणों का एक ऐसा गत्यात्मक संगठन पाया जाता है कि उसका व्यवहार वातावरण में अपने अपने ढंग का अपूर्व होता है। इसका परिणाम यह होता है कि एक परिस्थिति मे एक व्यक्ति का व्यवहार दूसरे तुल्य परिस्थिति मे अन्य व्यक्ति द्वारा दिखाये गए व्यवहार से भिन्न होता है। इतना ही नहीं वातावरण समान होने पर भी प्रत्येक व्यक्ति का व्यवहार, विचार होने वाला संवेग आदि थोड़ा अपूर्व होता है जिसके कारण उस वातावरण के साथ समायोजन करने का ढंग भी प्रत्येक व्यक्ति में अलग अलग होता है।